पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

कुरनूल में कपास उगाने वाली एक किसान

इरोड का कपड़ा बाज़ार

दादन व्यवस्था - बुनकरों द्वारा घर पर कपड़ा तैयार करना

दिल्ली के निकट वस्त्र निर्यात करने का कारखाना

संयुक्त राज्य अमेरिका में वह कमीज़

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

बाज़ार में लाभ कमाने वाले कौन हैं।

बाज़ार और समानता

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

परिचय

- यह अध्याय हमें एक कमीज की कहानी बताता है ! यह कपास के उत्पादन से शुरू होता है और शर्ट की बिक्री के साथ समाप्त होता है।
- हम देखेंगे कि बाजारों की

https://www.evidyarthi.in/

कार्बनिक सूती वस्त्र

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

जैविक
कपास बीज

कपास फाइबर

सूती धागा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

कच्चा कपड़ा

रंगे और तैयार कपड़े

कार्बनिक सूती वस्त्र

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

फाइबर गांठें

बीज निकालने के लिए जिनिंग

सूत बनाने के लिए रेशे कताई

कपड़े के बोल्ट बनाने के लिए बुनाई/बुनाई करना

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

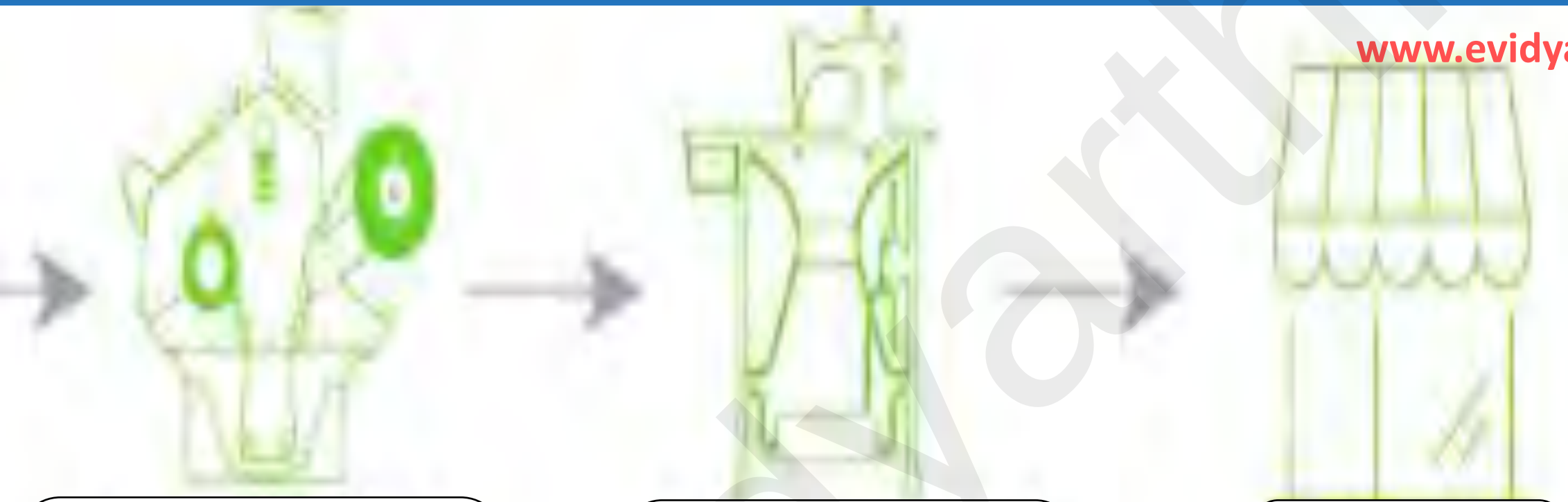

चिकना कपड़ा बनाने के लिए रंगाई और परिष्करण

अंतिम वस्त्रों की कटाई और सिलाई

खुदरा बिक्री

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

एक श्रृंखला कपास के उत्पादक को सुपरमार्केट में शर्ट के खरीदार से कैसे जोड़ देती है।

➢इस श्रृंखला में हर कड़ी के साथ खरीदना और

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

बेचना जुड़ा हुआ है।

- क्या इससे सभी को समान रूप से लाभ होता है? या क्या कुछ लोगों को दूसरों से ज्यादा फायदा होता है? हम पता लगाएंगे।

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कुरनूल में कपास उगने वाली एक किसान

- स्वप्ना, कुरनूल (आंध्र प्रदेश) की एक छोटी किसान है, अपनी छोटे से खेत में कपास उगाती है।
- कपास की कटाई में कई दिन लग जाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

कपास की कटाई

https://www.evidyarthi.in/

एक बार कपास एकत्र हो जाने के बाद, उसे कुरनूल कपास बाजार में बेचने के बजाय, स्वप्ना और उसका पति फसल को स्थानीय व्यापारी के पास ले जाते हैं।

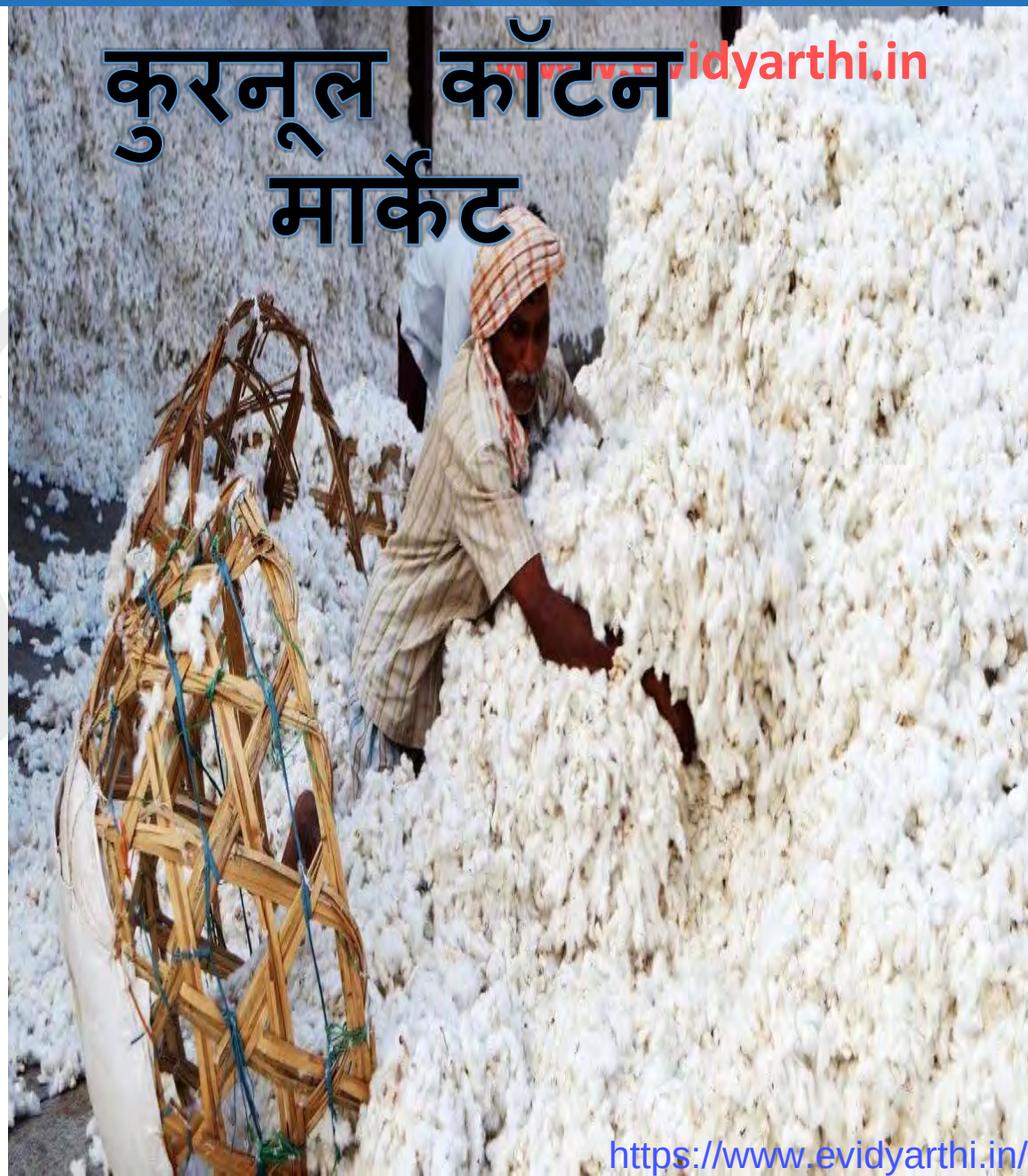

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

- उसने रुपये उधार लिए थे। खेती के लिए बीज, उर्वरक, कीटनाशक खरीदने के लिए व्यापारी से 2,500 बहुत अधिक ब्याज दर पर।
- इसके बदले में,

https://www.evidyarthi.in/

स्थानीय व्यापारी ने स्वप्ना को एक और शर्त के लिए राजी कर लिया कि उसे अपनी सारी कपास उसे बेचनी है।

➢अंत में, उसे केवल 3,000 रुपये मिले।

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

स्वप्ना और व्यापारी के बीच बातचीत:-

स्वप्ना:- ₹ 3,000 मात्र!

व्यापारी :- कपास सस्ता बिक रहा है। बाजार में कॉटन की भरमार है।

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

स्वप्ना:- इस कपास को उगने में मैंने चार महीने तक जी -तोड़ मेहनत की है। आप देख सकते हैं कि इस बार कपास कितनी अच्छी और

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

साफ है। इस बार मुझे काफी बेहतर कीमत मिलने की उम्मीद थी।

व्यापारी:-अम्मा, मैं तुम्हें अच्छी कीमत दे रहा हूँ। अन्य व्यापारी इतना भुगतान भी नहीं कर रहे

https://www.evidyarthi.in/

हैं। यकीन न हो तो आप कुरनूल मार्केट में चेक कर सकते हैं।

स्वप्ना:- क्रोधित न हों। मैं आप पर कैसे शक कर सकता हूं?

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुझे तो बस यही उम्मीद थी कि कपास की फसल से हम कुछ महीनों के लिए पर्याप्त कमाई कर लेंगे।

स्वप्ना ने तर्क नहीं दिया क्योंकि व्यापारी गाँव का एक शक्तिशाली व्यक्ति था और किसानों को न केवल खेती के

https://www.evidyarthi.in/

लिए, बल्कि बीमारियों, बच्चों की स्कूल फीस जैसी अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए भी उस पर निर्भर रहना पड़ता है।

- साल में कई बार ऐसा होता है

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

जब किसानों को कोई काम नहीं मिलता है और उनकी आमदनी भी नहीं होती है, इसलिए उस समय केवल पैसे उधार लेकर ही जीवित रहा जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

इरोड का कपड़ा बाज़ार

- तमिलनाडु में सप्ताह में दो बार लगने वाला इरोड का कपड़ा बाज़ार संसार के विशाल बाजारों में से एक है। इस बाजार में तरह-तरह के कपड़े बिकते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

चार्ट

1. व्यापारी [कपड़े उसके आदेश पर बनते हैं।]

2. गांव में बुनकरों द्वारा व्यापारियों के ऑर्डर पर कपड़े तैयार किये जाते हैं।

3. ये व्यापारी देश व विदेश के वस्त्र निर्माताओं और निर्यातकों को उनके आर्डर के अनुसार कपड़ा उपलब्ध करते हैं।

4. व्यापारी बुनकर को निर्देश देते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

- गांवों में बुनकरों द्वारा बनाए गए कपड़े बाजार में बिक्री के लिए लाए जाते हैं।
- व्यापारी के ऑर्डर पर कपड़े बनाए जाते हैं। ये व्यापारी पूरे देश भर में

- निर्माताओं और निर्यातकों को कपड़े की आपूर्ति करते हैं।
- वे सूत खरीदते हैं और बुनकरों को निर्देश देते हैं कि किस तरह का कपड़ा बनाना है।

www.evidyarthi.in

दादन व्यवस्था - बुनकरों द्वारा घर पर कपड़ा तैयार

- बुनकर व्यापारी से सूत प्राप्त करते हैं और उसे कपड़ा प्रदान करते हैं।

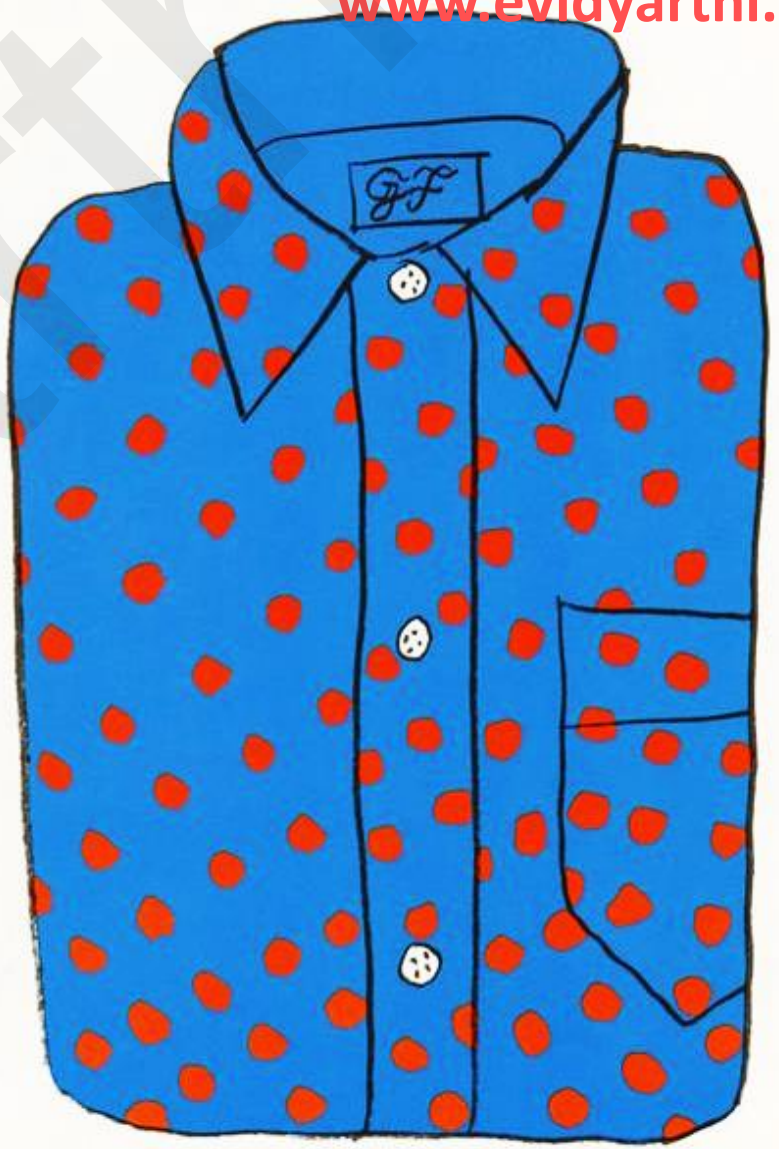

- बुनकरों के लिए, इस व्यवस्था के दो फायदे

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

चार्ट

1. बुनकर सूत नहीं खरीदते क्योंकि वे इसे व्यापारियों से प्राप्त करते हैं।
2. बुनकरों को तैयार कपड़े भी बेचने की व्यवस्था नहीं करनी होती है।
3. व्यापारी के पास बहुत शक्ति होती है।
4. व्यापारी तैयार उत्पाद को कारखानों को बेचता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रतीत होते हैं।

बुनकरों को सूत की खरीद पर अपना पैसा खर्च नहीं करना पड़ता है।

- साथ ही, तैयार कपड़ा बेचने की

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

समस्या का भी ध्यान रखा जाता है। बुनकर शुरू से ही जानते हैं कि उन्हें कौन सा कपड़ा बनाना चाहिए और कितना कपड़ा बुना जाना चाहिए।

- कच्चे माल और बाजार दोनों के लिए

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

व्यापारियों पर इस निर्भरता का मतलब है कि व्यापारियों के पास बहुत अधिक शक्ति है।

- बुनकरों के पास यह जानने का कोई साधन नहीं है कि वे कपड़ा किसके लिए बना रहे

https://www.evidyarthi.in/

हैं और किस कीमत पर बेचा जाएगा।

- कपड़ा बाजार में व्यापारी कपड़ा कारखानों को कपड़ा बेचते हैं। इस तरह बाजार व्यापारियों के पक्ष में ज्यादा काम करता है।

- प्रत्येक करघे की कीमत ₹ 20,000 है, इसलिए दो करघों वाले एक छोटे बुनकर को ₹ 40,000 का निवेश करना पड़ता है। इन करघों पर अकेले काम नहीं किया जा सकता है।

करघा

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

बुनकर और उसके परिवार का एक अन्य वयस्क सदस्य कपड़ा बनाने के लिए दिन में 12 घंटे तक काम करता है। इस सारे काम के लिए वे लगभग 3,500 रुपये प्रति माह कमाते हैं।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

बुनकर सहकारी संस्थाएँ

www.evidyarthi.in

हमने देखा की दादन व्यवस्था में व्यापारी, बुनकरों को बहुत कम पैसे देते हैं। व्यापारियों के ऊपर निर्भरता को कम करने और बुनकरों की आमदनी बढ़ाने के लिए सहकारी व्यवस्था एक साधन हैं। एक सहकारी संस्था में वे लोग, जिनके हित सामान हैं, इकट्ठे होकर परस्पर लाभ के लिए काम करते हैं। बुनकरों की सहकारी संस्था में बुनकर एक समूह बनाकर कुछ गतिविधियां सामूहिक रूप से करते हैं।

वे सूत व्यापारी से सूत प्राप्त करते हैं और उसे बुनकरों में बाँट देते हैं। सहकारी संस्था विक्रय का काम भी करती हैं। , इस तरह व्यापारी की भूमिका समाप्त हो जाती है और बुनकरों को कपड़ों का उचित मूल्य प्राप्त होता है। कभी- कभी सरकार, उचित मूल्य पर सहकारी संस्थाओं से कपड़ा खरीद कर उनकी मदद करती है। जैसा की तमिलनाडु में सरकार, स्कूल में निःशुल्क गणवेश योजना चलती है। सरकार इसके लिए पावरलूम बुनकरों की सहकारी संस्था से कपड़ा लेती है। इसी तरह सरकार, हस्तकरघा बुनकर सहकारी समिति से भी कपड़ा खरीद कर "को-ओप्टेक्स" नमक दुकानों के माध्यम से बेचती है। आपने अपने शहर में शायद कहीं ऐसी दुकानें देखीं होंगी।

https://www.evidyarthi.in/

दिल्ली के निकट वस्त्र निर्यात करने का कारखाना

- इरोड का व्यापारी, बुनकरों द्वारा निर्मित कपड़ा दिल्ली के पास बने-बनाए वस्त्र निर्यात करने वाले एक कारखाने को भेजता है।

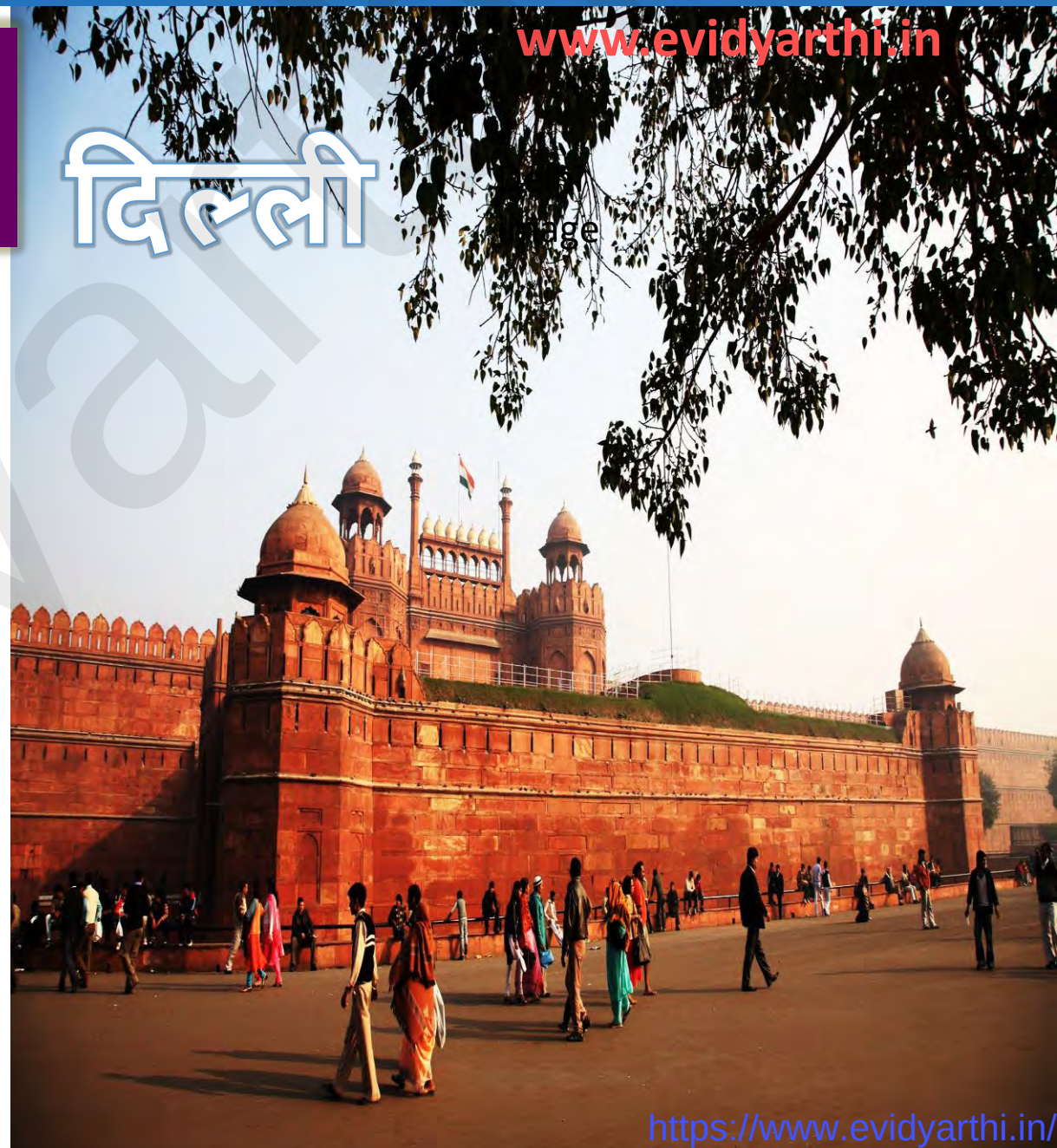

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

- फैक्ट्री इस कपड़े का इस्तेमाल कमीज बनाने में करती हैं।
- ये कमीजें विदेशी खरीदारों को निर्यात की जाती हैं। विदेशी खरीदारों में अमेरिका और यूरोप के कारोबारी

https://www.evidyarthi.in/

हैं जो स्टोर की एक श्रृंखला चलाते हैं।

- ये बड़े स्टोर सख्ती से अपनी शर्तों पर कारोबार करते हैं।
- वे आपूर्तिकर्ता से सबसे कम कीमतों पर माल खरीदने की मांग करते हैं। साथ ही वे सामान की

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

उच्चतम स्तर की गुणवत्ता और समय पर डिलीवरी की शर्त भी रखते हैं।

- निर्यातक इन शक्तिशाली खरीदारों द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा करने की पूरी कोशिश करता है।

https://www.evidyarthi.in/

- खरीदारों के तरफ से इस प्रकार के बढ़ते दबाव के कारण, कपड़ा निर्यात करने वाली फैक्ट्रियां, बदले में, लागत में कटौती करने की कोशिश करती हैं।

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उन्हें न्यूनतम संभव मजदूरी पर श्रमिकों से अधिक से अधिक काम मिलता है।
- इनमें से अधिकतर कर्मचारी अस्थाई तौर पर कार्यरत हैं। जब भी नियोक्ता को लगता है कि किसी कर्मचारी की जरूरत नहीं है, तो कर्मचारी

https://www.evidyarthi.in/

को छोड़ने के लिए कहा जा सकता है।

- महिलाओं को धागा काटने, बटन लगाने, इस्त्री करने और पैकेजिंग के लिए सहायक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

संयुक्त राज्य अमेरिका में वह

- संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बड़ी कपड़े की दुकान पर कई शर्ट प्रदर्शित की गयी हैं, और इनकी कीमत $26 रखी गयी है।
- यानी हर कमीज $26

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

या करीब 1,800 रुपये में बिकती है। नीचे दिए गए रिक्त स्थानों को भरने के लिए हाशिये में दिखाए गए आरेख का प्रयोग करें।

➢ व्यवसायी ने दिल्ली में परिधान निर्यातक से शर्ट को ₹ _____ प्रति शर्ट के हिसाब से खरीदा।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इसके बाद उन्होंने मीडिया में विज्ञापन के लिए _____ खर्च किया, और भंडारण, प्रदर्शन और अन्य सभी शुल्कों पर प्रति शर्ट एक और _____ खर्च किया।

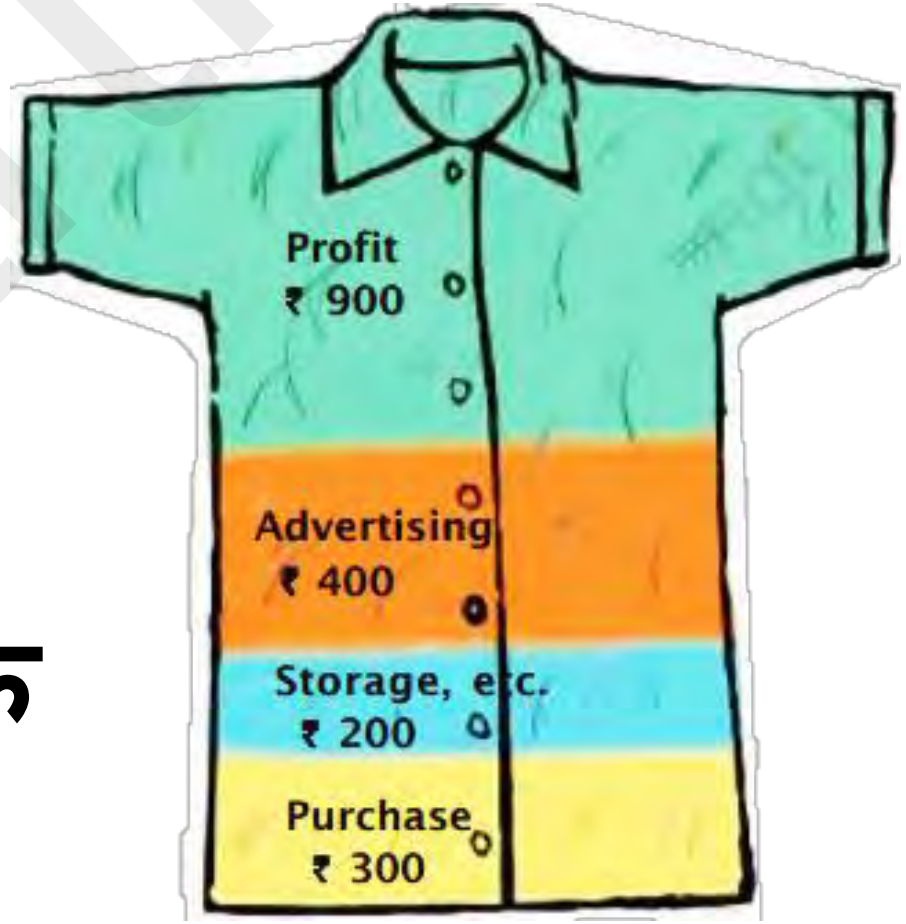

www.evidyarthi.in

- इस प्रकार, इस व्यक्ति की लागत ₹ 900 है जबकि वह शर्ट को ₹ 1,800 में बेचता है। ₹ _____ एक कमीज पर उसका लाभ है! यदि वह बड़ी संख्या में कमीजें बेचने में सक्षम है, तो उसका लाभ अधिक होगा।

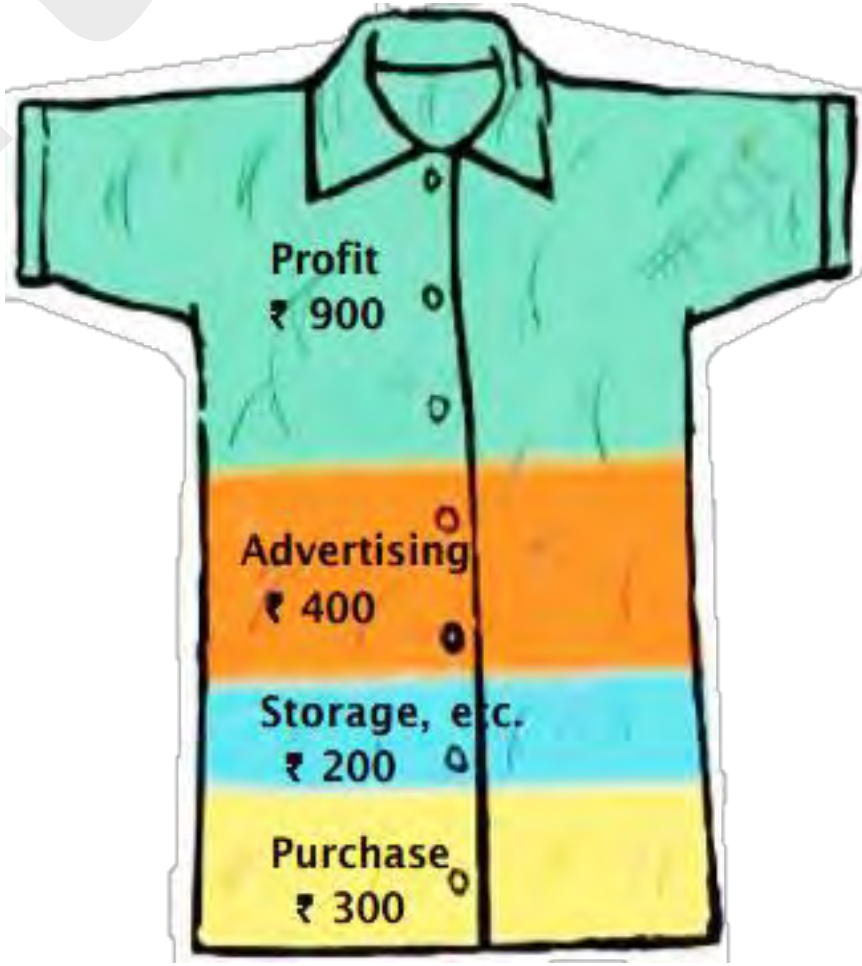

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बाज़ार में लाभ कमाने वाले कौन हैं।

- बाजारों की एक श्रृंखला कपास के उत्पादक को सुपरमार्केट में खरीदार से जोड़ती है।
- श्रृंखला में हर कदम पर खरीद-बिक्री होती है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- आइए याद करें कि वे लोग कौन थे जो खरीदने और बेचने की इस प्रक्रिया में शामिल थे।
- कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने बाजार में मुनाफा कमाया और कुछ ऐसे भी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

थे जिन्हें इस खरीद-बिक्री से उतना लाभ नहीं हुआ।

- बहुत मेहनत करने के बावजूद, उन्होंने बहुत कम कमाया।

https://www.evidyarthi.in/

बाज़ार और समानता

- विदेशी व्यवसायी ने बाजार में भारी मुनाफा कमाया। उसकी तुलना में परिधान निर्यातक ने केवल मामूली मुनाफा कमाया।

https://www.evidyarthi.in/

व्यवसायी या व्यापारी कहीं बीच में हैं। बुनकरों की तुलना में, उन्होंने अधिक कमाई की है लेकिन यह अभी भी निर्यातक की तुलना में बहुत कम है।

www.evidyarthi.in

- बाजार में सभी को समान रूप से लाभ नहीं होता है।
- कांता हो या स्वप्ना, अगर परिवार पर्याप्त कमाई नहीं करते हैं तो वे खुद को दूसरों के बराबर कैसे समझेंगे?

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बाजार लोगों को काम के अवसर प्रदान करता है और उन चीजों को बेचने में सक्षम होने के लिए जो वे विकसित या उत्पादित करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- आमतौर पर अमीर और ताकतवर ही बाजार से सबसे ज्यादा कमाई करते हैं।
- ये वे लोग हैं जिनके पास पैसा है और अपने कारखाने है, बड़ी-बड़ी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

दुकानें है, और बहुत जमीनें आदि के मालिक हैं।

- गरीबों को कर्ज के लिए (जैसे कि स्वप्ना, छोटे किसान के मामले में), कच्चे

https://www.evidyarthi.in/

माल और अपने माल के विपणन के लिए निर्भर रहना पड़ता है। इस निर्भरता के कारण, बाजार में गरीबों का शोषण किया जाता है।

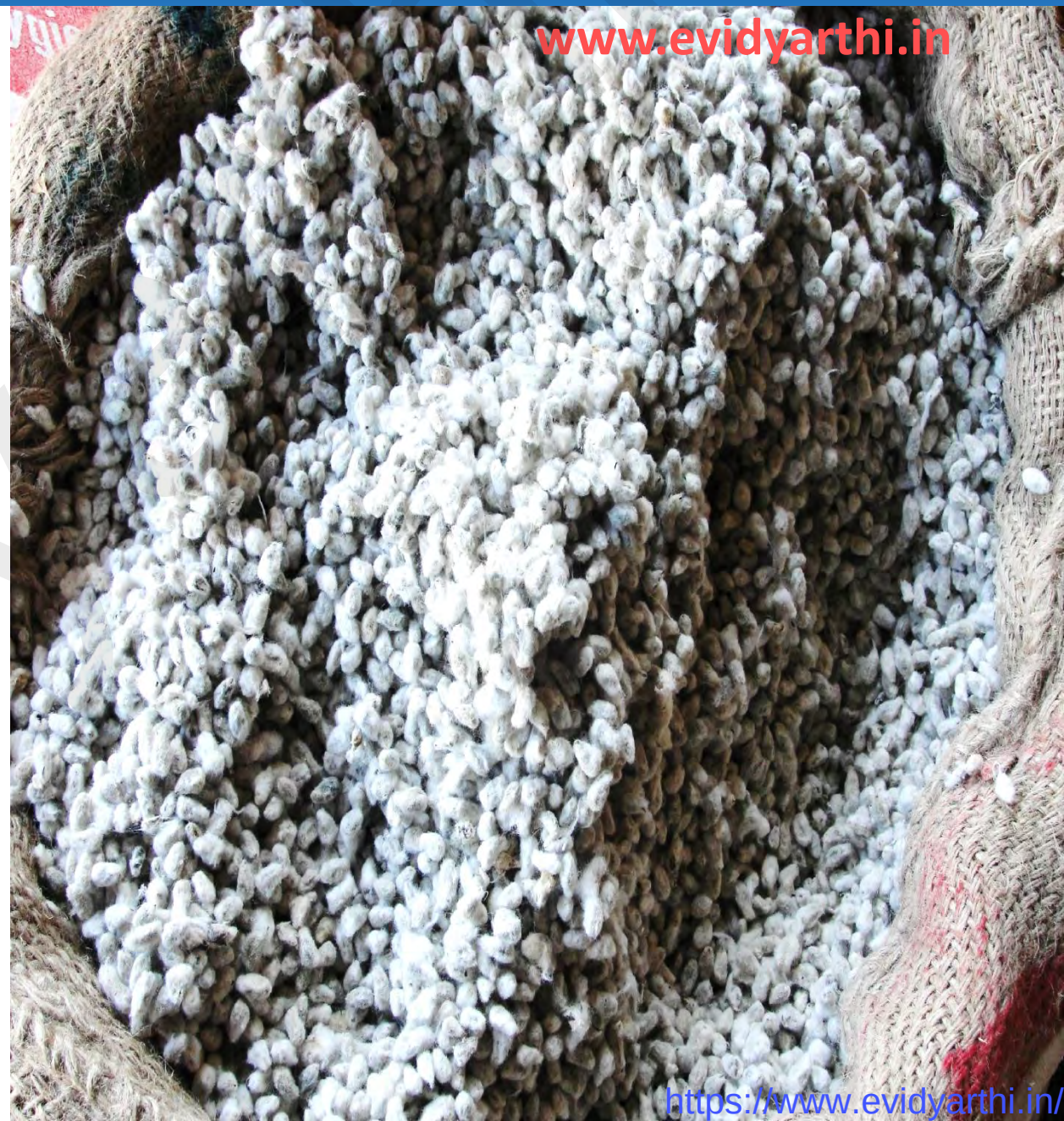

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 बाज़ार में एक कमीज़ (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/